आज़ादी का अमृत महोत्सव

यूको मासिकी

प्रधान कार्यालय की मासिक ई-पत्रिका

वर्ष - 3; अंक - 8 दिसंबर , 2021

श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, यूको बैंक तथा अध्यक्ष, नराकास(बैंक), कोलकाता डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अपना सम्बोधन देते हुए

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का अमृत महोत्सव

यूको मासिकी : दिसंबर, 2021

संरक्षण एवं प्रेरणा

अतुल कुमार गोयल
एमडी एवं सीईओ

अजय व्यास
कार्यपालक निदेशक

इशराक अली खान
कार्यपालक निदेशक

दिग्दर्शन

नरेश कुमार
महाप्रबंधक
मा.सं.प्र., का.से., प्रशिक्षण एवं राजभाषा

संपादक

अमलशेखर करणसेठ
मुख्य प्रबंधक-राजभाषा एवं प्रभारी

सहयोग

सत्येन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

रोशनी सरकार साव
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राम अभिषेक तिवारी
प्रबंधक (राजभाषा)

अनुक्रम

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
डिब्रूगढ़ में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन	3-8
डिब्रूगढ़ में एमडी एवं सीईओ महोदय की बैंक से संबद्ध गतिविधियाँ	9
आजादी का अमृत महोत्सव: देशभक्ति काव्य- संध्या	10
राष्ट्रीय संस्कृति का सात दिवसीय युवा अभियान	11-12
वीर बाल दिवस	13
माह के हिन्दी साहित्यकार	14-15
माह के हिंदीतर साहित्यकार	16
प्रेरक प्रसंग	17-19
स्वास्थ्यनामा	20-21
विदाई	22-24
उत्कर्ष पुरस्कार	25

प्रकाशन एवं संपर्क

यूको बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,
10, बीटीएम सरणी, कोलकाता - 700001
ई-मेल horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in,

डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन- एक रिपोर्ट

सचिव- राजभाषा महोदया का संबोधन सुनने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

एमडी सर का संबोधन सुनने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को असम राज्य के डिब्रूगढ़ शहर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के मंचासीन गणमान्य अतिथियों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की सचिव (राजभाषा) श्रीमती अंशुली आर्या, संयुक्त सचिव (राजभाषा); डॉ मीनाक्षी जॉली, निदेशक (प्रशासन); श्री मोहन लाल वाधवानी, निदेशक (कार्यान्वयन); श्री बाबू लाल मीना, निदेशक; यूको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल, ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलिमर्स लि.(बीसीपीएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री रीप हज़ारिका तथा डिब्रूगढ़ जिले के उपायुक्त श्री विश्वजीत पेगू थे। नराकास (बैंक), कोलकाता के अध्यक्ष के रूप में यूको बैंक के माननीय एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल ने नराकास (बैंक), कोलकाता द्वारा उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव (राजभाषा) के कर-कमलों से **वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 के लिए प्रथम तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया**। उन्होंने पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के अनेक कार्यालयों के प्रतिनिधियों को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार के शील्ड एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए।

सचिव (राजभाषा), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार सुश्री अंशुली आर्या ने एमडी एवं सीईओ महोदय श्री अतुल कुमार गोयल तथा बैंक के अन्य राजभाषा अधिकारियों के बीच यूको बैंक की राजभाषा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। सचिव महोदया को यूको बैंक में राजभाषा की पहल, क्षेत्रीय भाषाओं से संबंधित कार्यों और अन्य गतिविधियों से परिचित कराया गया। अपने संभाषण में एमडी महोदय ने हमारे बैंक में हो रहे राजभाषा कार्यों और गतिविधियों का संक्षेप में ब्योरा दिया, साथ ही राजभाषा हिंदी के विकास और क्षेत्रीय भाषाओं के साथ उसके समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। ●

नराकास (बैंक), कोलकाता द्वारा उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 के लिए प्रथम तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त

डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन
माननीय एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल की गरिमामयी सहभागिता

श्रीमती अंशुली आर्या, माननीय सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार यूको बैंक के स्टाल का उद्घाटन करते हुए, साथ में हैं श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ

डॉ मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन की कुछ झलकियां

श्री बी एल मीना, निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्री मोहन लाल वाधवानी , निदेशक, राजाभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्री राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्रीमती अभिलाषा मिश्रा, उप निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन की कुछ झलकियां

डॉ. धनेश द्विवेदी,उप निदेशक एवं श्री दीपक कुमार , राजाभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्री बदरी यादव एवं श्री निर्मल कुमार दुबे, सहायक निदेशक, राजाभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्रीमती ज्योत्सना शर्मा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, राजाभाषा विभाग, भारत सरकार का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

श्री अभिजीत दास, अंचल प्रमुख, जोरहाट का यूको बैंक के स्टाल पर स्वागत

डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को आयोजित पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में माननीय एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल की गरिमामयी उपस्थिती

यूको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल सचिव , राजभाषा के साथ

डिब्रूगढ़, असम में एमडी एवं सीईओ महोदय की बैंक से संबद्ध गतिविधियाँ

मध्याह्न भोजन के बाद एमडी महोदय ने डिब्रूगढ़ की स्थानीय डिब्रूगढ़ और मनकोटा शाखाओं का दौरा किया, वहाँ मौजूद स्टाफ से मिले और उनके कार्यों का जायजा लिया। जोरहाट अंचल के समक्ष शाखा प्रबंधकों के साथ एमडी महोदय के संबोधन हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में अंचल कार्यालय के कार्मिक भी थे, साथ ही अन्य अंचलों से क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में आए राजभाषा अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए जोरहाट अंचल प्रबंधक श्री अभिजीत दास जी ने डिब्रूगढ़ जैसे छोटे शहर में माननीय एमडी एवं सीईओ महोदय के आगमन पर अंचल की ओर से प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जोरहाट अंचल अपने कारोबारी विकास के लिए भरपूर प्रयास कर रहा है और कुछ उपलब्धियाँ अंचल को हासिल हुई हैं, फिर भी बहुत कुछ करना अभी शेष है। उन्होंने आशा जताई कि अपने प्रयत्नों के फलस्वरूप जोरहाट अंचल शीघ्र ही "ए+" श्रेणी का कार्यनिष्पादन करके बेहतरीन अंचलों की पंक्ति में शुमार होगा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव: देशभक्ति काव्य-संध्या

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. लखवीर सिंह 'निर्दोष' जी को **यूको राजा राममोहन राय भाषा-सेतु सम्मान** से सम्मानित करते हुए एमडी सर

आजादी का अमृत महोत्सव: उक्त अवसर पर कॉफी कप का विमोचन कराते हुए एमडी सर

यूको बैंक द्वारा दिनांक 02.12.2021 को आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव: देशभक्ति काव्य-संध्या में काव्य प्रस्तुति

आजादी का अमृत महोत्सव: देशभक्ति काव्य-संध्या में कीर्ति पुरस्कार -प्रथम की ट्रॉफी के साथ श्री नरेश कुमार, महाप्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन एवं राजभाषा, श्री अतुल कुमार गोयल , प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी , श्री इशराक अली खान , कार्यपालक निदेशक एवं डॉ. लखवीर सिंह निर्दोष

राष्ट्रीय संस्कृति का सात दिवसीय युवा अभियान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन, कोलकाता द्वारा संचालित दिनांक 26 दिसंबर, 2021 से 01 जनवरी, 2022 तक 27वां हिंदी मेला के पुरस्कार वितरण समारोह में हिंदी मेला के अध्यक्ष **प्रो. शंभुनाथ,** निदेशक, भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता के साथ अपने बैंक के कार्यपालक निदेशक **श्री अजय व्यास , श्री नरेश कुमार,** महाप्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन एवं श्री अमलशेखर करणसेठ, मुख्य प्रबन्धक उपस्थित हुए।

हिंदी मेला के पुरस्कार वितरण समारोह में हिंदी मेला के अध्यक्ष **प्रो.शंभुनाथ,** निदेशक, भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता अपने बैंक के कार्यपालक निदेशक **श्री अजय व्यास** को सम्मानित करते हुए।

हिंदी मेला के **उद्घाटन** समारोह में सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन द्वारा अपने बैंक के **श्री नरेश कुमार,** महाप्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन का सम्मान।

राष्ट्रीय संस्कृति का सात दिवसीय युवा अभियान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी मेला के समापन समारोह में बैंक के कार्यपालक निदेशक **श्री अजय व्यास** संबोधित करते हुए।

हिंदी मेला के समापन समारोह में बैंक के **श्री नरेश कुमार,** महाप्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन संबोधित करते हुए।

सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन द्वारा संचालित एवं **यूको बैंक की प्रेरणा शक्ति** से **दिनांक 26 दिसंबर, 2021 से 01 जनवरी, 2022** तक **27वां हिंदी मेला** का आयोजन किया गया। कोलकाता का यह हिंदी मेला युवाओं, विद्यार्थियों और साहित्य-प्रेमियों का एक अनोखा सांस्कृतिक उत्सव है। इस मेले में लघु नाटक, काव्य आवृत्ति, हिंदी ज्ञान, काव्य संगीत, लोक गीत, काव्य नृत्य, रचनात्मक लेखन, कविता पोस्टर, आशु भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मेले का समापन एवं पुरस्कार समारोह **01 जनवरी, 2022** को भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपने बैंक के कार्यपालक निदेशक **श्री अजय व्यास** उपस्थित थे। समारोह में **श्री नरेश कुमार,** महाप्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन एवं राजभाषा तथा राजभाषा विभाग के प्रभारी एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित हुए। ●

माह के विशेष

26 दिसंबर को अंतिम सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के चार पुत्रों "साहिबजादे" के साहस को श्रद्धांजलि देने के लिये भारत के प्रधानमंत्री द्वारा यह घोषणा की गई कि इस दिन को **"वीर बाल दिवस"** के रूप में चिह्नित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'माता गुजरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की बहादुरी और आदर्शों ने लाखों लोगों को ताकत दी। उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया। उन्होंने समावेशी और सौहार्दपूर्ण विश्व की कल्पना की। यह समय की मांग है कि और लोगों को उनके बारे में पता चले।' इस तारीख को इसलिए चुना गया है क्योंकि इस दिन को **साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह** के शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता था, जो मुगल सेना द्वारा सरहिंद (पंजाब) में छह और नौ साल की उम्र में मारे गए थे।

साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह सिख धर्म के सबसे सम्मानित शहीदों में से हैं। मुगल सैनिकों ने सम्राट औरंगजेब (1704) के आदेश पर आनंदपुर साहिब को घेर लिया। गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें न मारने की पेशकश की गई थी। उन दोनों ने इनकार कर दिया और इसलिये उन्हें मौत की सजा दी गई और उन्हें ईंटों की दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। इन दोनों शहीदों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मृत्यु को प्राथमिकता दी।

गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की इस महान शहादत को आज भी इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। अत्याचारी के आगे तनकर खड़े रहने और धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने की यह घटना मिसाल बन गई। श्रद्धावान आज भी हर वर्ष सिख नानकशाही कैलेंडर के अनुसार, 20 दिसंबर से लेकर 27 दिसंबर तक **शहीदी सप्ताह** मनाते हैं। इन दिनों गुरुद्वारों से लेकर घरों तक में बड़े स्तर पर कीर्तन-पाठ किया जाता है। इस दौरान बच्चों को गुरु साहिब के परिवार की शहादत के बारे में बताया जाता है। साथ ही कई श्रद्धावान सिख इस पूरे हफ्ते जमीन पर सोते हैं और माता गुजरी और साहिबजादों की शहादत को नमन करते हैं। ●

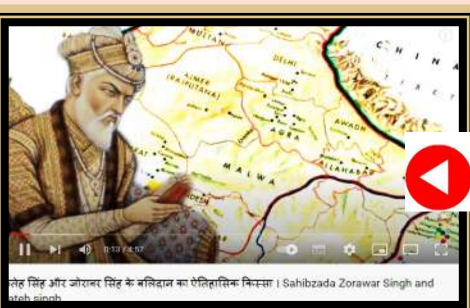

साहिबजादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह के बलिदान का ऐतिहासिक किस्सा सुनने के लिए इस वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

धर्मवीर भारती : एक परिचय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

धर्मवीर भारती का जन्म **25 दिसंबर 1926** को इलाहाबाद के 'अतरसुइया' नामक मोहल्ले में हुआ था। आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक थे। उनके पिता का नाम श्री चिरंजीवलाल वर्मा और माता का नाम श्रीमती चंदादेवी था। भारती के पूर्वज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शाहजहाँपुर ज़िले के 'ख़ुदागंज' नामक क़स्बे के ज़मीदार थे। पेड़, पौधों, फूलों और जानवरों तथा पक्षियों से प्रेम बचपन से लेकर जीवन पर्यन्त रहा।

इन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय से हिन्दी में करने के पश्चात पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। कुछ समय तक प्रयाग से निकालने वाले साप्ताहिक पत्र 'संगम' का सम्पादन किया और कुछ वर्षों तक प्रयाग विश्वविद्यालय में हिन्दी के अध्यापक भी रहे। भारती जी की भाषा शुद्ध तथा परिमार्जित खड़ी बोली हिन्दी है।1958 ई0 में वे मुंबई से प्रकाशित होने वाली प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'धर्मयुग' के संपादक हो गए। भारत सरकार ने 1972 ई0 में उनकी हिन्दी सेवाओं एवं हिन्दी पत्रकारिता के लिए **'पद्मश्री'** से अलंकृत कर सम्मानित किया। उनका उपन्यास 'गुनाहों का देवता' हिन्दी साहित्य के इतिहास में सदाबहार माना जाता है।

हिन्दी के यशस्वी साहित्यकार एवं **'अंधायुग'** एवं **'गुनाहों का देवता'** जैसी लोकप्रिय पुस्तकों के प्रणेता डॉ0 धर्मवीर भारती का निधन **4 सितंबर 1997ई0** को हुआ। ●

उनकी प्रमुख कृतियां हैं:

काव्य रचनाएं : ठंडा लोहा, सात गीत-वर्ष, कनुप्रिया, सपना अभी भी, आद्यन्त, मेरी वाणी गैरिक वसना, कुछ लम्बी कविताएँ;

कहानी संग्रह : मुर्दों का गाँव, स्वर्ग और पृथ्वी, चाँद और टूटे हुए लोग, बंद गली का आखिरी मकान, साँस की कलम से (समस्त कहानियाँ एक साथ) ;

उपन्यास: गुनाहों का देवता, सूरज का सातवां घोड़ा, ग्यारह सपनों का देश, प्रारंभ व समापन;

निबंध : ठेले पर हिमालय, पश्यंती;

पद्य नाटक : अंधा युग;

आलोचना: प्रगतिवाद: एक समीक्षा, मानव मूल्य और साहित्य।

काव्य आवृत्ती सुनने के लिए वीडियो चिन्हों पर क्लिक करें

अटल बिहारी वाजपेयी : एक परिचय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

माह के हिंदी साहित्यकार

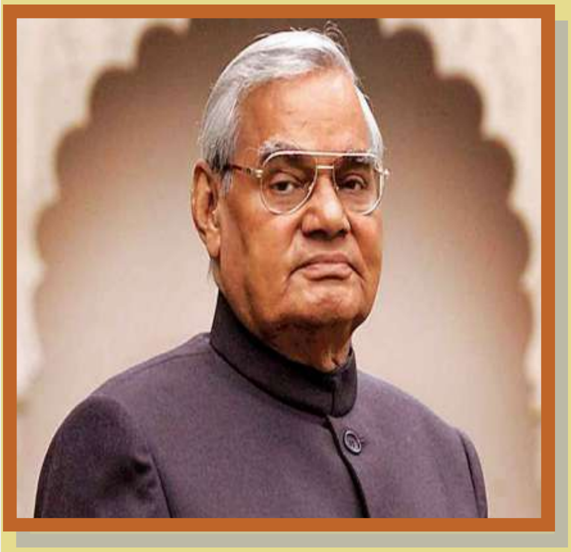

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रहने वाले एक स्कूल शिक्षक के परिवार में हुआ। तीन बार भारत के के प्रधानमंत्री थे। वे पहले 16 मई से 1 जून 1996 तक, तथा फिर 1998 मे और फिर 19 मार्च 1999 से 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद वह पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो लगातार दो बार प्रधानमंत्री बने। वे हिंदी कवि, पत्रकार व एक प्रखर वक्ता थे।वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक थे, और 1968 से 1973 तक उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने लंबे समय तक राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया।

वह चार दशकों से भारतीय संसद के सदस्य थे। वें लोकसभा, में दस बार और राज्य सभा में दो बार चुने गए थे। उन्होंने लखनऊ के लिए संसद सदस्य के रूप में कार्य किया। वाजपेयी जी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पहले गैर कॉंग्रेसी प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 5 वर्ष बिना किसी समस्या के पूरे किए। आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेने के कारण इन्हें राजनीति का भीष्म पितामह भी कहा जाता है।

2005 से वे राजनीति से संन्यास ले चुके थे। सर्वतोमुखी विकास के लिये किये गये योगदान तथा असाधारण कार्यों के लिये 2015 में उन्हें **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक कवि भी थे। **मेरी इक्यावन कविताएँ** अटल जी का प्रसिद्ध काव्यसंग्रह है। वाजपेयी जी को काव्य रचनाशीलता एवं रसास्वाद के गुण विरासत में मिले हैं। उनके पिता **कृष्ण बिहारी वाजपेयी** ग्वालियर रियासत में अपने समय के जाने-माने कवि थे। वे ब्रजभाषा और खड़ी बोली में काव्य रचना करते थे। पारिवारिक वातावरण साहित्यिक एवं काव्यमय होने के कारण उनकी रगों में काव्य रक्त-रस अनवरत घूमता रहा है। उनकी सर्व प्रथम कविता **ताजमहल** थी। इसमें शृंगार रस के प्रेम प्रसून न चढ़ाकर उनका भी ध्यान ताजमहल के कारीगरों के शोषण पर ही गया। वास्तव में कोई भी कवि हृदय कभी कविता से वंचित नहीं रह सकता।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की वाणी में काव्य पाठ प्रस्तुति देखने एवं सुनाने के लिए वीडियो चिह्न पर

बाजपेयी जी की कविता पर प्रस्तुति देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती : एक परिचय

सुब्रह्मण्यम भारती (तमिल: *சுப்பிரமணிய பாரதி*, 11 दिसम्बर 1882 - 11 सितम्बर 1921) एक तमिल कवि थे। उनको 'महाकवि भारतियार' के नाम से भी जाना जाता है। उनकी कविताओं में राष्ट्रभक्ति कूट-कूट कर भरी हुई है। वह एक कवि होने के साथ-साथ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल सेनानी, **समाज सुधारक, पत्रकार** तथा उत्तर भारत व दक्षिण भारत के मध्य एकता के सेतु समान थे।

भारती जी का जन्म भारत के दक्षिणी प्रान्त तमिलनाडु के एक गांव एट्टयपुरम् में एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय विद्यालय में ही हुई। मेधावी छात्र होने के नाते वहां के राजा ने उन्हें ***'भारती'*** की उपाधि दी। जब वे किशोरावस्था में ही थे तभी उनके माता-पिता का निधन हो गया। वे बाहरी दुनिया को देखने के बड़े उत्सुक थे। विवाह के बाद सन् 1898 में वे उच्च शिक्षा के लिये बनारस चले गये। अगले चार वर्ष उनके जीवन में "खोज" के वर्ष थे।

बनारस प्रवास की अवधि में उनका हिन्दू अध्यात्म व राष्ट्रप्रेम से साक्षात्कार हुआ। सन् 1900 तक वे भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में पूरी तरह जुड़ चुके थे। भारती 1908 में पांडिचेरी गए, जहां दस वर्ष वनवासी की तरह बिताए। इसी दौरान उन्होंने कविता और गद्य के जरिये आजादी की बात कही। 'साप्ताहिक इंडिया' के द्वारा आजादी की प्राप्ति, जाति भेद को समाप्त करने और राष्ट्रीय जीवन में नारी शक्ति की पहचान के लिए वे जुटे रहे। ●

'स्वदेश गीतांगल' (स्वदेश गीत ; 1908) तथा **'जन्मभूमि'** (1909) उनके देशभक्तिपूर्ण काव्य माने जाते हैं, जिनमें राष्ट्रप्रेम् और ब्रिटिश साम्राज्य के प्रति ललकार के भाव मौजूद हैं। एक कविता में भारती ने **'भारत का जाप करो'** की सलाह दी है।

तुम स्वयं ज्योति हो मां,
शौर्य स्वरूपिणी हो तुम मां,
दुःख और कपट की संहारिका हो मां,
तुम्हारी अनुकम्पा का प्रार्थी हूं मैं मां।

(डॉ० भारती की कविता 'मुक्ति का आह्वान' से)

1909 में प्रकाशित 'विजया' नामक पत्रिका

रचना पर प्रस्तुति देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

पिता का आशीर्वाद फलता है

गुजरात के खंभात के एक व्यापारी की यह सत्य घटना है।

जब उसकी मृत्यु का समय निकट आया तो उसने अपने एकमात्र पुत्र को बुलाकर कहा कि बेटा - "मेरे पास धन संपत्ति तो हैं नहीं है जो मैं तुम्हें विरासत में दूं, पर मैंने जीवन भर सच्चाई और प्रामाणिकता से काम किया है तो मैं तुम्हें *आशीर्वाद* देता हूं कि तुम जीवन में बहुत सुखी रहोगे और धूल को भी हाथ लगाओगे तो वह सोना बन जायेगी।

बेटे ने सिर झुकाकर पिताजी के पैर छुए। पिता ने सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और संतोष से अपने प्राण त्याग दिए।

अब घर का खर्च बेटे धनपाल को संभालना था। उसने एक छोटी सी ठेलागाड़ी पर अपना व्यापार शुरू किया। धीरे-धीरे व्यापार बढ़ने लगा। एक छोटी सी दुकान ले ली। व्यापार और बढ़ा। अब नगर के संपन्न लोगों में उसकी गिनती होने लगी। उसको विश्वास था कि यह सब मेरे पिता के आशीर्वाद का ही फल है क्योंकि उन्होंने जीवन में दुख उठाया पर कभी धैर्य नहीं छोड़ा, श्रद्धा नहीं छोड़ी, प्रामाणिकता नहीं छोड़ी, इसलिए उनकी वाणी में बल था और उनके आशीर्वाद फलीभूत हुए और मैं सुखी हुआ।
उसके मुंह से बार बार यह बात निकलती थी।

एक दिन एक मित्र ने पूछा कि- तुम्हारे पिता में इतना बल था तो वह स्वयं संपन्न क्यों नहीं हुए? सुखी क्यों नहीं हुए ? धर्मपाल ने कहा कि मैं पिता की ताकत की बात नहीं कर रहा हूं, मैं उनके आशीर्वाद की ताकत की बात कर रहा हूं।

इस प्रकार वह बार-बार अपने पिता के आशीर्वाद की बात करता तो लोगों ने उसका नाम ही रख दिया ***"बाप का आशीर्वाद"***
धनपाल को इससे बुरा नहीं लगता वह कहता कि मैं अपने पिता के आशीर्वाद के काबिल बनूँ, यही चाहता हूं।

ऐसा करते हुए कई साल बीत गए। वह विदेशों में व्यापार करने लगा। जहां भी व्यापार करता उसे बहुत लाभ होता। एकबार उसके मन में आया कि मुझे लाभ ही लाभ होता है तो मैं एक बार नुकसान का अनुभव करूं। तो उसने अपने एक मित्र से पूछा कि ऐसा व्यापार बताओ कि जिसमें मुझे नुकसान हो।

मित्र को लगा कि इसको अपनी सफलता और धन का घमंड आ गया है। इसका घमंड दूर करने के लिए इसको ऐसा धंधा बताऊं कि इसको नुकसान ही नुकसान हो।
तो उसने उसको बताया कि तुम भारत सें ***लौंग* खरीदो और जहाज में भरकर अफ्रीका के जंजीबार** में जाकर बेचो। धर्मपाल को यह बात ठीक लगी।

जंजीबार तो लौंग का देश है। व्यापारी वहां से लौंग भारत में लाते हैं और यहाँ दस-बारह गुना भाव पर बेचते हैं। भारत में खरीदकर जंजीबार में बेचेगा तो इसमें साफ नुकसान सामने दिख रहा है। परंतु धर्मपाल ने तय किया कि मैं भारत में लौंग खरीद कर, जंजीबार खुद लेकर जाऊंगा। देखूँ?? **"पिता का आशीर्वाद" कितना साथ देता हैं।**

नुकसान का अनुभव लेने को उसने भारत में लौंग खरीदे और जहाज में भरकर खुद उनके साथ जंजीबार द्वीप पहुंचा।

जंजीबार में राजा का राज्य था।

धर्मपाल जहाज से उतरकर लंबे रेतीले रास्ते पर जा रहा था, वहां के व्यापारियों से मिलने को।
"उसे सामने से राजा जैसा व्यक्ति पैदल सिपाहियों के साथ आता हुआ दिखाई दिया। उसने किसी से पूछा कि ये कौन है उन्होनें कहा कि यह राजा हैं।

राजा ने उसको सामने देखकर उसका परिचय पूछा। उसने कहा कि मैं भारत के गुजरात के प्रान्त 'खंभात' का व्यापारी हूं और यहां पर व्यापार करने आया हूं। राजा ने उसको व्यापारी समझ कर उसका आदर किया और उससे बात करने लगा।'

धर्मपाल ने देखा कि राजा के साथ सैकड़ों सिपाही है परंतु उनके हाथ में तलवार बंदूक आदि कुछ भी न होकर बड़ी-बड़ी चलनियां है। उसको आश्चर्य हुआ।
उसने विनम्रतापूर्वक राजा से पूछा कि आपके सैनिक इतनी चलनियाँ लेकर क्यों जा रहे हैं।
राजा ने हंसकर कहा कि बात यह है कि आज सवेरे मैं समुद्र तट पर घूमने आया था। तब मेरी उंगली में से एक अंगूठी यहां कहीं निकलकर गिर गई। अब रेत में अंगूठी कहां गिरी पता नहीं। तो इसलिए मैं इन सैनिकों को साथ लेकर आया हूं। ये रेत छानकर मेरी अंगूठी उसमें से तलाश करेंगे।
धर्मपाल ने कहा- अंगूठी बहुत महंगी होगी।
राजा ने कहा- नहीं उससे बहुत अधिक कीमत वाली अनगिनत अंगूठी मेरे पास हैं।
पर वह अंगूठी एक साधु का आशीर्वाद है।
मैं मानता हूं कि मेरा राज्य इतना मजबूत और सुखी उस साधु के आशीर्वाद से है। इसलिए मेरे मन में उस अंगूठी का मूल्य राज्य से भी ज्यादा है।
इतना कहकर के राजा ने फिर पूछा कि बोलो सेठ- इस बार आप क्या माल ले कर आये हो। धर्मपाल ने कहा कि
लौंग
लों ऽ ग !
राजा के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।
यह तो लौंग का ही देश है सेठ।
यहां लौंग बेचने आये हो?
किसने आपको ऐसी सलाह दी। जरूर वह कोई आपका दुश्मन होगा। *यहां तो एक पैसे में मुट्ठी भर लौंग मिलते हैं। यहां लौंग को कौन खरीदेगा' और तुम क्या कमाओगे?
धर्मपाल ने कहा कि
मुझे यही देखना है कि यहां भी लाभ होता है या नहीं।
मेरे पिता के आशीर्वाद से आज तक मैंने जो धंधा किया, उसमें लाभ ही लाभ हुआ। तो अब मैं देखना चाहता हूं कि उनके आशीर्वाद यहां भी फलते हैं या नहीं।

राजा ने पूछा कि -पिता के आशीर्वाद...? इसका क्या मतलब...?
धर्मपाल ने कहा कि
मेरे पिता सारे जीवन ईमानदारी और प्रामाणिकता से काम करते रहे ,परंतु धन नहीं कमा सके। उन्होंने मरते समय मुझे भगवान का नाम लेकर मेरे सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिए थे कि तेरे हाथ में धूल भी सोना बन जाएगी।

ऐसा बोलते बोलते धर्मपाल नीचे झुका और जमीन की रेत से एक मुट्ठी भरी और सम्राट राजा के सामने मुट्ठी खोलकर उंगलियों के बीच में से रेत नीचे गिराई तो....
धर्मपाल और राजा दोनों का आश्चर्य का पार नहीं रहा।

उसके हाथ में एक हीरे जड़ित अंगूठी थी।

यह वही राजा की गुमी हुई अंगूठी थी।

अंगूठी देखकर राजा बहुत प्रसन्न हो गया।
बोला, वाह भगवान "आप की लीला का पार नहीं। आप पिता के आशीर्वाद को सच्चा करते हो।

धर्मपाल ने कहा कि फकीर के आशीर्वाद को भी वही परमात्मा सच्चा करता है।

राजा बहुत खुश हुआ। धर्मपाल को गले लगाया और कहा कि मांग सेठ, आज तू जो मांगेगा मैं दूंगा।

धर्मपाल ने कहा कि आप 100 वर्ष तक जीवित रहो और प्रजा का अच्छी तरह से पालन करो। प्रजा सुखी रहे। इसके अलावा मुझे कुछ नहीं चाहिए।

राजा और अधिक प्रसन्न हो गया। उसने कहा कि सेठ तुम्हारा सारा माल में आज खरीदता हूं और तुम्हारी मुंहमांगी कीमत दूंगा।

सीख --
इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि यदि पिता का आशीर्वाद हो तो दुनिया की कोई ताकत कहीं भी तुम्हें पराजित नहीं होने देगी। पिता और माता की सेवा का फल निश्चित रूप से मिलता है। आशीर्वाद जैसी और कोई संपत्ति नहीं।

कीवी के फायदे

जब स्वास्थ्य को ठीक रखने की बात होती है, तो सभी विशेषज्ञ फल खाने की सलाह देते हैं। **कीवी फल** स्वाद के साथ-साथ गुणों से भी भरपूर है।

कीवी फल खाने के फायदे जानने से पहले जानते हैं कि कीवी फल कैसा होता है। कीवी फल बाहर से भूरा और अंदर से मुलायम व हरे रंग का होता है। इसके अंदर काले रंग के छोटे-छोटे बीज होते हैं, जिन्हें खाया जा सकता है। इसका स्वाद मीठा होता है। यह फल बाजार में आसानी से उपलब्ध होता है। कम दाम में पोषण पाने का यह बेहतर विकल्प हो सकता है। अगर बात करें कि कीवी फल कहां पाया जाता है, तो यह भारत, चीन, जापान और दक्षिण-पूर्व साइबेरिया में पाया जाता है। इसे चाइनीज गूजबेरी के नाम से भी जाना जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम एक्टिनिडिया डेलिसिओसा (Actinidia deliciosa) है।

कीवी फल के फायदे देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

कीवी के औषधीय गुण की बात की जाए, तो इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-हाइपरटेंसिव (anti-hypertensive-रक्तचाप नियंत्रित करना), एंटीथ्रोम्बोटिक (antithrombotic-खून का थक्का न जमने देना) वाले गुण मौजूद हैं। साथ ही इसमें विटामिन-सी, पोटैशियम व कैल्शियम के साथ-साथ फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है।

जैसा कि इसमें विटामिन-सी मौजूद होता है, यह पोषक तत्व शरीर के इम्यून पावर में सुधार करने और ठंड से होने वाली हल्की-फुल्की समस्याओं से बचाव करने में सहायक हो सकता है। वहीं, इसमें मौजूद विटामिन-ई कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के प्रभाव से बचाव कर सकता है। इसमें मौजूद फोलेट के कारण यह गर्भावस्था के दौरान लाभकारी हो सकता है। इसके अलावा, पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक हो सकता है। कीवी डायबिटीज की समस्या और हृदय रोग के लिए भी लाभकारी हो सकता है।

कीवी फल के फायदे की बात करें, तो यह हृदय के लिए लाभकारी हो सकता है। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित शोध से पता चलता है कि कीवी फल हृदय रोग की समस्या को रोकने के लिए फायदेमंद हो सकता है। अगर इस फल का 28 दिन तक सेवन किया जाए तो प्लेटलेट हाइपरएक्टिविटी, प्लाज्मा लिपिड व रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। आसान शब्दों में समझा जाए तो कीवी में कार्डिओ प्रोटेक्टिव गुण होते हैं जिससे यह हृदय संबंधी रोग से बचा सकता है। अगर किसी को हृदय रोग की समस्या पहले से ही है तो वो दवाइयों का सेवन जारी रखें और डॉक्टरी सलाह से कीवी फल का सेवन करें।

पाचन और कब्ज के लिए भी कीवी खाने के फायदे हो सकते हैं। कीवी खाने के फायदे में वजन संतुलन भी शामिल है। एक वेट मैनेजमेंट स्ट्रेटजी के तहत कीवी फल को अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है, इससे वजन बढ़ने का जोखिम भी नहीं हो सकता है क्योंकि कीवी फल में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है।

कीवी के फायदे

कीवी को कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स की सूची में रखा गया है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर और इंसुलिन की मात्रा को संतुलित कर मधुमेह में वजन को संतुलित रखने में भी सहायक हो सकते हैं। कीवी फल विटामिन-सी का भी अच्छा स्रोत है। वहीं, विटामिन-सी का संबंध इंसुलिन प्रतिरोध में कमी और ब्लड ग्लूकोज नियंत्रण में सुधार के लिए सहायक पाया गया है। इसलिए टाइप 2 डायबिटीज और मधुमेह के जोखिम वाले व्यक्ति के लिए कीवी फल उत्तम विकल्प साबित हो सकता है। कीवी फल में विटामिन-सी, कैरोटिनॉइड, पॉलीफेनोल और फाइबर पाए जाते हैं। ये तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर करने में मदद कर सकते हैं। इस कारण ऐसा कहा जा सकता है कि कीवी का सेवन इम्यून सिस्टम के साथ-साथ कई तरह के रोगों को दूर रखने में भी सहायता कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीवी फल में बायोएक्टिव पदार्थ होते हैं, जो रक्तचाप को कम करने का काम कर सकते हैं। साथ ही एंडोथेलियल फंक्शन (दिल से संबंधित एक क्रिया) को बेहतर करने का काम कर सकते हैं।

कीवी फल उन कुछ फलों में से एक है, जिसमें सेरोटोनिन (serotonin- एक प्रकार का केमिकल) होता है, जो अच्छी नींद के लिए मददगार हो सकता है। सोने के एक घंटे पहले कीवी फल का सेवन अच्छी नींद में मददगार पाया गया। कीवी गर्भावस्था में भी लाभकारी हो सकता है। इसमें विटामिन-सी और फोलेट प्रचुर मात्रा में होता है। वहीं, गर्भवती महिला के लिए फोलेट जरूरी होता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर में आयरन के अवशोषण में मदद कर एनीमिया के खतरे को भी कम कर सकता है। हां, अगर किसी को फूड एलर्जी है तो वो कीवी के सेवन से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर लें। विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ के सेवन से श्वास प्रणाली को फायदा पहुंचा सकता है, जिससे दमा (अस्थमा) की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है। एक शोध में यह बात सामने आयी है कि प्रतिदिन 1 ग्राम विटामिन-सी के सप्लीमेंट के सेवन से दमा के अटैक का जोखिम कम होता हुआ पाया गया है और कीवी में कुछ मात्रा विटामिन-सी की होती है।

कीवी फल में एंटीऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी और ई के एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल्स को खत्म करने में सहायक हो सकते हैं। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण होने वाली क्षति से भी शरीर को बचा सकते हैं। वैज्ञानिक शोध के अनुसार, कुछ फलों में एंटी-कैंसर गुण के साथ-साथ कार्सिनोजेन्स यानी कैंसर पैदा करने वाले यौगिकों को रोकने का प्रभाव होता है। ऐसे फलों में कीवी भी शामिल है। इसमें मौजूद विटामिन-सी, पॉलीफेनोल्स, एंटीट्यूमर और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण यह कैंसर से बचाव में सहायक हो सकता है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, कीवी फल में ल्यूटिन और जियाजैंथिन जैसे फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। ल्यूटिन और जियाजैंथिन, हरी सब्जियों में मौजूद होते हैं, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। ये उम्र के साथ होने वाले अंधेपन की समस्या को दूर रखने में सहायक हो सकते हैं। इसमें एंटी-एलर्जिक व एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाए जाते हैं, अत: यह सूजन को कम करने में भी सहायक होता है। एक शोध से यह साबित हुआ है कि कीवी फल का सेवन लिवर से संबंधित समस्याओं को रोकने में सहायक हो सकता है। कीवी फल में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम कर सकते हैं। ब्लड क्लॉटिंग यानी खून का थक्का जमने की समस्या में कई अन्य बीमारियों जैसे – स्ट्रोक, हार्ट अटैक व किडनी संबंधी समस्या का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में इस समस्या के जोखिम से बचने के लिए कीवी का सेवन लाभकारी हो सकता है। कीवी का सेवन सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि त्वचा के लिए भी लाभकारी है। कीवी सुबह, दोपहर या शाम कभी भी खा सकते हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति प्रतिदिन आधा कप या एक मध्यम आकार के कीवी का सेवन कर सकता है।

साभार- इंटरनेट

विदाई

श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी , यूको बैंक की 3 साल की सफलतापूर्वक समाप्ती पर विदाई एवं पंजाब नेशनल बैंक में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने हेतु हार्दिक बधाई

विदाई

नराकास बैंक, कोलकाता की ओर से श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ तथा अध्यक्ष, नराकास बैंक, कोलकाता को विदाई देते हुए नराकास के सदस्यगण

विदाई

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अंचल में दिसंबर माह में सेवानिवृत्त

श्री पंचानन कीस्कु (सहायक प्रबन्धक) , कर्मचारी सं.38296, **झांटीपाहाड़ी शाखा, दुर्गापुर अंचल** को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री भारत चंद्र दास(एसडब्ल्यूओ-ए) , कर्मचारी सं.42014, **मांतेशवर शाखा, दुर्गापुर अंचल** को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री दिपंकर मुखर्जी, विशेष सहायक एवं **श्री सुशीम कुमार गुहा**, अधिनस्थ , कटहल **बगान शाखा, हुगली अंचल** को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

सभी प्रिय यूकोजन साथियों को स्वस्थ सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए सर्वाधिक डिजिटल लेनेदेन प्रतिशत के लिए यूको बैंक को प्रथम स्थान – उत्कर्ष पुरस्कार प्रदान किया गया

Ministry of Electronics & Information Technology
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

DIGIधन
Awards 2020-21

1st Position

उत्कर्ष पुरस्कार

is conferred to

UCO Bank

For achieving 1st highest percentage of digital payment transactions
(category: Small & Micro banks)-Public sector Bank

Simmi Chaudhary
Economic Adviser, MeitY

Ajay Sawhney
Secretary, MeitY

Digital India
NPCI

GOOD MORNING

National Cyber Security Awareness Month
Do Your Part #BeCyberSmart

यूको बैंक
UCO BANK

একাধিক অ্যাকাউন্টের জন্য একই পাসওয়ার্ড ব্যবহার করবেন না।
আপনার পাসওয়ার্ড কখনো কাউকে বলবেন না।

GOOD MORNING

National Cyber Security Awareness Month
Do Your Part #BeCyberSmart

यूको बैंक
UCO BANK

బహుళ ఖాతాల కోసం ఒకే పాస్‌వర్డ్‌ని ఉపయోగించవద్దు
మీ పాస్‌వర్డ్‌ను ఎవరితోనూ పంచుకోకండి

GOOD MORNING

National Cyber Security Awareness Month
Do Your Part #BeCyberSmart

यूको बैंक
UCO BANK

एकाधिक खातों के लिए एक ही पासवर्ड का प्रयोग न करें।
अपना पासवर्ड कभी भी किसी के साथ साझा न करें।

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust